TickMark.Ai
Mumbai

Class: EM - CLASS 10 | **Subject:** Hindi | **Time:**3 hrs
Date: 18-02-2025 | **Paper:** Semester 1 (Solution) | **Marks:**80

1(अ))
(1) (1) (i) बहुत अधिक लोग मिलने आते हैं और परेशान करते हैं।
(ii) उसे दूसरी टाँग भी टूट जाती है।
(2) (i) लेखक
(ii) बहुत अधिक मिलने वाले लोग
(iii) जनरल वार्ड में
(iv) दर्द और मिलने वालों के कारण
(3) (i) परेशान - तकलीफ, समय - वक्त, अधिक - बहुत (कोई एक)
(ii) (1) एहसान (2) बदला
(4) आलस करना या भारी आराम करना हमारे लिए नुकसानदेह हो सकता है। परीक्षा का समय हो, तो डटकर पढ़ाई करनी चाहिए। किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता हो, तो उसकी तैयारी करनी चाहिए। सोचो यदि हम आराम करने के बजाय परीक्षा की तैयारी करने के लिए तैयार हैं, तो परीक्षा में भी शामिल हो सकते हैं। हम छोटी सी जीव चींटी से भी मेहनत की सीख ले सकते हैं। वह दिन-रात मेहनत कर अपना भोजन एकत्र करती है और सोने के समय आराम से अपनी मेहनत का लाभ उठाती है।

TickMark.Ai

(आ))
(1) (1) (i) १. खूबसुरत होना २. जायचा मिलना
(2) (i) खूबसूरती
(ii) खूबसूरती
(iii) जायचा
(iv) खूबसूरती
(3) (1) (i) जन्म-पत्री, कुंडली (ii) कृष्णा जी, गिरिधर, गोपाल
(2) (i) गुणवाचक संज्ञा, (ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(4) नहीं, शादी करने के लिए लड़की का खूबसूरत होना बहुत जरुरी नहीं है | यह बात अलग है कि सब आज कल खूबसूरती को ही देखते है और एहमियत देते है | लेकिन सोचने वाली बात यह है कि क्या उनकी शादी नहीं होती जो लोग खूबसूरत नहीं होते | सिर्फ शरीर कि सुन्दरता को ही नहीं देखा जाता, देखा जाता है तो मन की सुंदरता को |

(इ))
(1) (1) (i) ढाका कॉलेज से परीक्षा में

द्वितीय स्थान पाने वाले — **मेघनाथ साहा**
तृतीय स्थान पाने वाले — **निखिल रंजन सेन**

(ii) गद्यांश में उल्लेखित

दल — **सबूज पत्र**
सदस्य — **प्रमथा चौधरी**

(2) ज्ञान बांटने से ज्ञान बढ़ता है, यह एक सत्य है। जब हम अपना ज्ञान दूसरों के साथ साझा करते हैं, तो हमारा ज्ञान भी विस्तारित होता है और हमें भी नए विचारों का परिचय होता है। साथ ही, दूसरों के सवालों से हमें नई दृष्टि मिलती है, जो ज्ञान को और भी व्यापक बनाती है। इसके अलावा, ज्ञान बांटने से समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। शिक्षा और जागरूकता बढ़ती है, जिससे लोगों का जीवन स्तर सुधरता है।

2(अ))
(1) (1) (i) हरी
(ii) मीरा
(iii) इच्छा
वाक्य - वक्त पे दवा और खाने का परहेज का ध्यान रखने से हम बीमारी से निजात पा सकते है।

लड़कियों की स्थिति में सुधार लाने के लिए इसे प्रभावशाली तरीके से लागू किया गया है।

जन्म के बाद लड़कियों को विविध भेदभाव से गुजरना पड़ता है। जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, खान-पान अधिकार आदि दूसरी जरूरतें हैं जो लड़कियों को भी प्राप्त होनी चाहिए। महिलाओं को सशक्त बनाने और जन्म से अधिकार देने के लिए सरकार ने इस योजना की शुरुआत की है। हमारे यहाँ एक कहावत हैं- घर की बेटी सीख गयी तो वह पूरे परिवार को प्रगतिशील बनाती है, परंतु अशिक्षित हो तो परिवार भी अशिक्षित रहता है।

लड़कियों की स्थिति को सुधारने और महत्व देने के लिए हरियाणा सरकार 14 जनवरी को 'बेटी की लोहड़ी' नाम से एक कार्यक्रम मनाती है। इस योजना का उददेश्य सामाजिक और आर्थिक रूप से लड़कियों को स्वतंत्र बनाना है।

इस कार्यक्रम की शुरुआत करते समय प्रधानमंत्री ने कहा कि, 'सामान्य लोगों की यह धारणा है कि लड़कियाँ अपने माता-पिता के लिए पराया धन होती है, अभिभावक सोचते हैं कि लड़के तो उनके अपने होते हैं, जो बुढ़ापे में उनकी देखभाल करेंगे, जबकि लड़कियाँ तो दूसरे घर जाकर अपने ससुराल वालों की सेवा करती हैं। लड़कियों के बारे में 21 वीं सदी में लोगों की ऐसी मानसिकता वास्तव में शर्मनाक है। जन्म से लड़कियों को पूरे अधिकार देने के लिए लोगों के दिमाग से इसे जड़ से मिटाने की जरूरत है।

(2)

(3)

All the Best

TickMark.Ai